वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 304 | बुधवार 1 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

तीन साल बाद पर्यटन विभाग मनाएगा धुलंडी फेस्टिवल

खासाकोठी में सात मार्च को होगा सेलिब्रेशन, विदेशी सैलानी लगाएंगे रंग, विभाग ने शुरू की तैयारी

जयपुर. कासं। होटल खासाकोठी में तीन साल बाद होली के रंग नजर आएंगे। जयपुर में विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा फेस्टिवल के रूप में पहचाने जाने वाले धुलंडी फेस्टिवल को इस बार आयोजित किया जाएगा। पर्यटन विभाग की ओर से सात मार्च को धुलंडी फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। विदेशी सैलानियों के लिए आयोजित किए जाने वाले इस फेस्टिवल में लगभग 2000 सैलानी भाग लेंगे। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि धुलंडी फेस्टिवल का आयोजन तीन वर्ष बाद किया जाएगा। इस फेस्टिवल का उद्देश्य विदेशी सैलानियों को होली के रंग, सुरक्षा के संग का अहसास करवाना है। शेखावत ने बताया कि इस फेस्टिवल में टूअर एण्ड ट्रेवल ऑपरेटर्स के जरिए विदेशी सैलानी, धुलेंडी फेस्टिवल में भाग ले सकेंगे। विभाग की ओर से सैलानियों को विशेष गुलाल होली खेलने के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी। सुबह दस बजे से 1 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विदेशी पावणों के लिए खान–पान से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी विभाग की ओर से की जा रही है। लोक नृत्यों की होगी प्रस्तुति विदेशी सैलानियों को यहां कालबेलियां नृत्य, मयूर नृत्य, कच्ची घोड़ी नृत्य और लंगा-मांगणियार कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलेगी। इन कलाकारों के साथ पर्यटक डांस करते भी नजर आएंगे। रंग-बिरंगी गुलाल के रंगों में रंगे पर्यटक, होली त्यौहार की परम्पराओ व लोक गायन के बीच राजस्थान पर्यटन की आवभगत से भी रू-ब-रू हो सकेंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवसः मुख्य सचिव को बैज पहनाकर अभियान की शुरूआत

जयपुर. कासं

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने दी अभियान की जानकारी, - स्कूल-कॉलेजों में 15 दिन तक आयोजित होंगे कार्यक्रम, विशेष दिवसों पर विज्ञान चर्चा भी

जयपुर, 28 फरवरी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान की ओर से मुख्य सचिव उषा शर्मा को बैज पहनाकर विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। मुख्य सचिव कार्यालय में मंगलवार दोपहर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा एवं कार्यक्रम निदेशक साधना माथुर ने मुख्य सचिव को बैज पहनाया व कार्यक्रम की जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में विज्ञान की बढ़ती भूमिका को देखते हुए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम जरूरी हैं। विशेष रूप से महिलाओं को इससे जोड़ना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों में विज्ञान को लेकर उत्सुकता व रूचि जागृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने बताया कि विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। 28 फरवरी का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि भारतीय

वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन ने 28 फरवरी, 1928 को रमन प्रभाव की खोज की घोषणा की थी। इसी खोज के लिये उन्हें 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। वर्मा ने बताया कि देश और राज्य के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध हो सकते हैं। विज्ञान के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं।

राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो-23 की तैयारियां हुई शुरू उद्योग भवन में बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जोधपुर के बोरानाडा में ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में 20 से 22 मार्च 2023 तक होने वाले राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो-2023 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए प्रशासनिक गतिविधियां जोर-शोर से प्रारंभ हो गई हैं। उद्योग भवन में मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली जिसमें जोधपुर कलेक्टर हिमांशु गुप्ता भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम जुड़े। बैठक में एक्सपो–2023 के आयोजन से जुडी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई व अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इवेंट तक पहुंचाने वाली सड़कों की मरम्मत करवाई जाये एवं अतिक्रमण वाली

सड़कों व जगहों को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाए। साथ ही साफ-सफाई के साथ उचित प्रबंध करें। परिवहन व पार्किंग की व्यवस्था के लिए पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर के वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। इसी के साथ जिला पर्यटन अधिकारी से भी चर्चा कर मारवाड़ की स्थानीय संस्कृति को दर्शाने वाले भव्य कार्यक्रम आयोजित करवाने के निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में लगने वाले डॉम की जानकारी भी ली जिसका 3ऊ डिजाइन के माध्यम से जायजा लिया तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर बेहतर आयोजन करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उद्योग आयुक्त महेंद्र पारख, अतिरिक्त आयुक्त निवेश संवर्धन ब्यूरो ओम प्रकाश कसेरा, अतिरिक्त आयुक्त मंजू शर्मा, इंफ्रा रीको सलाहकार अरुण गर्ग व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लेकसिटी के प्रमुख कला केंद्र "टखमण" की 55 वीं वर्षगांठ मनाई

वरिष्ठ कलाकारों संग युवा पीढ़ी ने केक काटकर साझा किए विचार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर में अंबामाता स्कीम स्थित टखमण कला दीर्घा की 55 वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। इस खास मौके पर शहर के कई ख्यात वरिष्ठ और युवा कलाकारों संग दिल्ली से आए प्रसिद्ध कला समीक्षक विनोद भारद्वाज और आर्टिस्ट फोटोग्राफर जसराज ने गैलरी परिसर में केक काटा और आगामी माह की कला गतिविधियों पर चर्चा भी की। बता दें, 28 फरवरी साल 1968 में चंद गिने चुने कलाकारों ने मिलकर विभिन्न विधाओं के शिल्पियों को एक मंच प्रदान करने की मंशा लेकर टखमण की परिकल्पना को साकार रूप दिया। तब से इस संस्था के बैनर तले इस शहर ने देश दुनिया में अलग पहचान बनाने वाले अनेक कलाकारों ने अपने काम के बूते नाम कमाया है। इस अवसर पर प्रो. सुरेश शर्मा, लक्ष्मी लाल वर्मा, ललित शर्मा, सीपी चौधरी, आरके शर्मा, संदीप पालीवाल, दिनेश उपाध्याय, समता पाठक, नसीम अहमद, मयंक शर्मा, सुरेश पालीवाल (योग गुरु) सहित अन्य कलाकारों ने परस्पर कला चर्चा की।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

अंतरराष्ट्रीय मूर्तिकला कार्यशाला आज से

लेकसिटी में देश-विदेश से सम्मिलित होंगे कई कलाकार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर और कामण कला संस्थान के साझे में अंतरराष्ट्रीय मूर्तिकला शिविर उदयपुर शहर के नजदीक स्थित वडंगा गांव में 1 मार्च से 12 मार्च तक आयोजित होगा। उद्घाटन 1 मार्च को शाम 5 बजे किया जाएगा। इसमें अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, बेल्जियम सहित भारत के कई राज्यों के मूर्तिकार व कलाकार शामिल होंगे, जो अपनी कलाकृतियों से संस्कृति की झलक को दशाएंगे। शिविर का उद्देश्य राजस्थान की भूमि पर कला और संस्कृति को निरंतर बनाए रखना तथा समाज को कला में निहित सुंदर एवं कलात्मकता से परिचय कराना है। कार्यशाला में तैयार मूर्तियां विभिन्न कला प्रेमियों तथा समाज के विभिन्न जनों के मध्य सौंदर्य बोध का मानक तय करेंगी।

कला बोध का वाहक बनेगी मूर्तियां: कला शिविर में मूर्तिकार सीपी चौधरी उदयपुर, जोर्ग वॉन बेल्जियम, टैमलीन अफ्रीका, कांति परमार बड़ौदा, भूपत डूडी जोधपुर, रेणु बाला कश्यप पंजाब, पत्तिआना वितेपिया कनाडा, शैलेश शर्मा जयपुर, प्राची अग्रवाल लखनऊ, कुशाग्र जैन बांसवाड़ा, हरनाथ महतो रांची, निलेश सिद्धपुरा गांधीनगर, मनोज कुमार कलोशिया उदयपुर, श्याम सुंदर सुथार बीकानेर तथा विजेंद्र सिंह देवरा उदयपुर सहित स्थानीय कलाकार शामिल होंगे। जिनके द्वारा निर्मित मूर्तियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

ग्रामीण और स्कूली बच्चों के लिए भी होगी वर्कशॉप: आयोजक समिति अध्यक्ष डॉ. चिमन डांगी ने बताया कि कार्यशाला के दौरान ग्रामवासी और स्थानीय स्कूल के बच्चे भी कलाकारों से रूबरू होकर उनके काम को समझ सकेंगे। शिविर के दौरान उनके लिए भी वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय जॉन भी अपनी कला का परिचय दे सकेंगे तथा उनके द्वारा निर्मित कलाकृतियों की भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

उपकार करके भूल जाने की आदत बनाओ: पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

मुनि पुंगव ने बताई अभिषेक की सम्पूर्ण विधि

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

उपकार करके उसी में ना उलझे उपकार के भूलजाने की आदत डालें संसार की स्थिति ही ऐसी है जब किसी को आपसे काम होता है तो वह आपके आस पास घूमता रहता है और जैसे ही उसका काम पूरा हुआ वह आपको छोड़ कर चला जाता है गरज परत कछु और है गरत गिरत कछु और तुलसी भावंर जव परे नदी शिरावे मौर जिस मौर को विवाह के समय सिर पर वाधकर दूलाराजा कन्या से विवाह कर रहा था शादी के वाद उसी मौर को नदी में सिराते देख तुलसीदास जी ने ये पंक्तियां लिखी है ये स्वार्थ का संसार है तव तो वैराग्य होता है नहीं तो हम लोग कहा से आते इसी संसारिक दसा को देखकर वैराग्य को प्राप्त होते हैं उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने नन्दीश्वर मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुगंव श्रीसुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजयधुर्रा ने बताया कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ टीकमगढ़ नगर के मझार मन्दिर में विराजमान हैं दैनिक प्रवचनों के साथ ही जिज्ञासा समाधान का कार्य क्रम यही से सीधा प्रसारण नियमित रूप किया जा रहा है मुनि पुंगव ने कहा कि हमने भगवान की भक्ति तो की है लेकिन भक्त नहीं वन पाए जिंदगी को सफल बनाने के लिए अपने दिन कि सफलता के लिए जिनेन्द्र देव के कलश ढालने का प्रभु दर्शन का सौभाग्य मिले तुमने ऐसा कुल मांगा था जन्म जन्म की भावनाओं का परिणाम है कि आपको उच्च कुल योग भूमि जाति मिली तो इनका दुरुपयोग मत करना जो कुछ भी तुम्हारे पास है ये तुम्हें अभिशाप ना दे दें ।

हार्ट अटैक की देशी दवा क्या है?

1) अनार से करें हार्ट के ब्लॉकेज को खोलने के उपाय : अनार में फाइटोकेमिकल्स होता है, जो एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में धमनियों की परत को क्षतिग्रस्त होने से रोकता है। रोजाना एक कप अनार के रस का सेवन करें। अनार का सेवन हार्ट अटैक से बचने का उपाय है। हार्ट ब्लॉकेज के लक्षणों से राहत पाने में अनार का घरेलू उपाय फायदेमंद साबित होता है।

2) अर्जुन वृक्ष की छाल से करें हार्ट के ब्लॉकेज को खोलने के उपाय: हार्ट से जुड़ी बीमारियों जैसे कि हाई कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर, आर्टरी में ब्लॉकेज और कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ के इलाज में अर्जुन वृक्ष की छाल से फायदा होता है। यह कोलेस्ट्रोल लेवल को नियमित रखता है, और दिल को स्वस्थ बनाता है। इसकी छाल में प्राकृतिक ऑक्सिडाइज़िंग होता है। हार्ट अटैक से बचने के उपाय में अर्जुन वृक्ष की छाल का औषधि के रूप में किया जाता है। आप अर्जुन की छाल के प्रयोग के बारे में किसी आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श ले सकते हैं।

3) दालचीनी से करें हार्ट के ब्लॉकेज को खोलने के उपाय : यह बेकार कोलेस्ट्रॉल को शरीर से कम करती है, और हार्ट को मजबूती प्रदान करती है। इसमें भी ओक्सिडाइज़िंग तत्व होते हैं। इसके नियमित इस्तेमाल से सांसों की तकलीफ दूर होती है। दालचीनी हार्ट अटैक के लक्षणों से राहत पाने, और हार्ट ब्लॉकेज खोलने में सहायता कर सकता है।

4) हार्ट ब्लॉकेज के लक्षणों से राहत पाने के लिए लाल मिर्च का इस्तेमाल : इसमें मौजूद कैप्सेसिन नामक तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल या एलडीएल ऑक्सीकरण से बचाता है। यह रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो धमनियों के बंद होने के मुख्य कारणों में से एक है। इसके अलावा यह ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। यह दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को भी कम करता है। गर्म पानी के एक कप में आधा या एक चम्मच लाल मिर्च मिला लें। कुछ हफ्तों के लए इसे नियमित रूप से लें। इसके अलावा आप चिकित्सक की सलाह से लाल मिर्च के सप्लीमेंट भी ले सकते हैं।

5) अलसी से हार्ट ब्लॉकेज की समस्या का इलाज : अलसी के बीज रक्तचाप और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह अल्फालिनोलेनिक एसिड (ALA) के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। यह बंद धमनियों को साफ रखने, और पूरे हृदय के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। हार्ट ब्लॉकेल को खोलने के लिए अलसी का घरेलू उपचार लाभप्रद साबित हो सकता है। इससे हार्ट अटैक के लक्षणों से राहत मिलने में मदद मिलती है। अलसी में बहुत अधिक मात्रा में फाइबर एलडीएल होता है, जो धमनियों को साफ करने में मदद करता है। आप एक चम्मच अलसी के बीज को नियमित रूप से पानी के साथ लें। इसके अलावा इसको जूस, सूप या स्मूदी में मिलाकर भी ले सकते हैं।

6) हार्ट ब्लॉकेज की समस्या के इलाज के लिए लहसुन का सेवन: लहसुन बंद धमनियों को साफ करने के लिए सबसे अच्छे उपायों में से एक है। यह रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है, और रक्त संचार में सुधार करता है। लहसुन खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, और दिल के दौरे या स्ट्रोक के खतरे को कम करता

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

है।तीन लहसुन की कली को काटकर एक कप दूध में मिलाकर उबाल लें। थोड़ा ठण्डा होने पर सोने से पहले पिएं। अपने आहार में लहसुन को शामिल करें।

7) अंगूर से हार्ट ब्लॉकेज की समस्या का उपचार : अंगूर स्वादिष्ट और सेहतमंद फल है। अंगूर में कैलोरी, फाइबर के साथ-साथ विटामिन-सी, विटामिन-ई भरपूर मात्रा में मिलता है। अंगूर के रोजाना सेवन से उम्र भी बढ़ती है, क्योंकि यह नई टिशू के निर्माण में सहायक है।

8) हार्ट के ब्लॉकेज खोलने के लिए अदरक का इस्तेमाल : हार्ट के ब्लॉकेज को खोलने के लिए अदरक एक लाभकारी औषधि के रूप में काम करता है।

अध्यक्ष सारिका जैन ने कहा...

सखी गुलाबी नगरी ने अपने कार्यों से समाज मे बनाया एक मुकाम

दिया कार्यकारिणी को धन्यवाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी कार्यकारिणी की मीटिंग मानसरोवर स्थित एक होटल में आयोजित हुई। सचिव स्वाति जैन ने बताया की संस्था की अध्यक्ष सारिका जैन ने पूरी कार्यकारिणी को विगत सत्र में किए गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया साथ ही कहा कि सखी गुलाबी नगरी ने अपने कार्यों से समाज में एक मुकाम हासिल किया है। उन्होंने आगामी सत्र मे किए जाने वाले कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी देखकर उन पर विचार विमर्श किया। विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजन करने का भी निर्णय लिया। सभी कार्यकारिणी मेंबर को संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए अध्यक्ष सारिका को साथ देने का विश्वास दिलाया।

सभी कार्यकारिणी मेंबर को संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिम्मेदारी दी गई...

वेद ज्ञान

जीवन में आध्यात्मिकता

आध्यात्मिकता लोगों में बड़ी जिज्ञासा और रहस्य उत्पन्न करती है। तमाम लोग अभी तक आध्यात्मिकता का सही अर्थ नहीं समझ पाए हैं। ऐसे लोग यही समझते हैं कि आध्यात्मिकता का अर्थ अभाव में रहकर जीवन व्यतीत करना व स्वयं को कष्ट देना है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। आध्यात्मिकता का संबंध मनुष्य के आंतरिक जीवन से है। आध्यात्मिकता के लिए मनुष्य को अपना घर छोड़ने या शरीर को कष्ट देने की कोई जरूरत नहीं होती। बस उसे अपनी समस्त मानसिक कमजोरियों का त्यागकर और स्वयं को आंतरिक स्तर पर स्थिर करना होता है। इसके बाद उसके भीतर से जो भी आदेश मिले उसे उसका पालन करना होता है। आध्यात्मिकता का मतलब स्वयं को परमसत्ता के सामने पूर्ण रूप से समर्पण कर देना और फिर उसी की प्रेरणानुसार अपने जीवन में विकसित होना है। अपने आप को जान लेना ही है। आध्यात्मिक व्यक्ति को निरंतर परमसत्ता से आंतरिक आदेश मिलता रहता है। आध्यात्मिकता का अर्थ मनुष्य की वे सभी गतिविधियां हैं जो उसे निर्मल बनाती हैं, आनंद से भर देती हैं, पूर्णता का अहसास कराती हैं और स्वयं से उसका परिचय कराती हैं। आध्यामिकता में जो सत्य है उसे ही स्वाभाविक रूप से ग्रहण करना है। आध्यात्मिक व्यक्ति अपने अनुभव से यह जान लेता है कि वह स्वयं अपने आनंद का स्रोत है। वैसे आध्यात्मिकता और धर्म एक दूसरे से संबंधित जरूर हैं, लेकिन इसके बावजूद दोनों में अंतर है। आध्यात्मिकता, सांसारिक भौतिकवाद से ऊपर है जिसकी कोई तुलना नहीं की जा सकती। यह हमारे आंतरिक जिंदगी के विश्वास और चमत्कारों से जुड़ी कड़ी है। यह मानव मूल्य की आधारशिला है जिस पर हम आस्था और भरोसा करते हैं। आध्यात्मिकता यही ज्ञान और समझ हममें विकसित करती है कि सही मायने में हमारे जीवन का उद्देश्य और अर्थ क्या है। हमारा व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण सच्ची आध्यात्मिकता में ही है इसलिए हमें इसकी तलाश करनी चाहिए और उसे ही अपनाना चाहिए। इसके मार्ग पर चलकर हमारा दुख छोटा हो जाता है और हमारी हर मुश्किल आसान हो जाती है। आध्यत्मिकता में समाज और संसार के बीच रहते हुए मन की प्रसन्नता बनी रहती है।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों को अधिक प्रोत्साहन की जरूरत

सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवीं कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। भारत में सरकारी स्कूलों में फिर से बढ़ता दाखिले का आंकड़ा बेहद सुकूनदेह है। थोड़े और प्रयास से इसमें और ज्यादा सफलता मिल सकती है। सही है कि अब भी असली प्रतिस्पर्धा सरकारी बनाम निजी स्कूलों की है। मगर कोरोनो काल के बाद के आंकड़े बताते हैं कि लोगों का रुझान दुबारा सरकारी स्कूलों की तरफ हुआ है। इस भरोसे की वजह लंबे समय तक कामकाज और रोजी-रोजगार ठप्प पड़ने से कमाई का संकट और जमा पूंजी खत्म होना भी है। निजी स्कूलों की भारी फीस न चुका पाने की मजबूरी ने सरकारी स्कूलों को दुबारा आबाद किया। कोविड के वक्त वैकल्पिक आनलाइन शिक्षा की व्यवस्था तो हुई, लेकिन दुष्परिणाम ज्यादा दिखे। बच्चों का स्कूल में सीखने का स्तर घटा, वहीं आनलाइन पढ़ाई के चलते गंभीरता और एकाग्रता भी कम हुई। इसलिए बंदी खुलते ही सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ गए। यह कहना ठीक नहीं कि सरकारी स्कूलों का स्तर खराब है। अपवादों को छोड़ दें तो बहुतेरे स्कूल बेहतर नतीजों के चलते अलग साख रखते हैं। देशी-विदेशी तमाम शोध और आंकड़े भी यही इशारा करते हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानी ओईसीडी ने देशों की विभिन्न चालीस शिक्षा प्रणालियों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को जोड़े बिना पाया कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में पढ़ने के अधिक अंक अर्जित किए। मगर जब छात्र और स्कूल की सामाजिक और आर्थिक दशा को ध्यान में रख कर गणना हुई, तो पता चला कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अंक निजी स्कूलों के मुकाबले अधिक थे। मतलब साफ है कि सरकारी स्कूल मुकाबले में कहीं पीछे नहीं हैं। निजी बनाम सरकारी स्कूलों की बहस कोई नई नहीं है, जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) लागू होने के बाद और बढ़ी। फिलहाल निजी और सरकारी स्कूलों के बीच खाई बढ़ी है। निजी स्कूलों की चकाचौंध और भारी फीस को स्तर मानना और सरकारी स्कूल से तुलना बेमानी है। एक सोच भी बनी कि पैसे वालों के बच्चे निजी स्कूलों में, तो गरीबों के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। इस मिथक को दिल्ली सरकार ने अपनी मंशा के अनुरूप तोड़ कर दिखाया। केरल और कर्नाटक के भी तमाम सरकारी स्कूल बेहतर हैं। मध्यप्रदेश में सीएम राइज स्कूल और छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की शुरूआत से लोगों का जबरदस्त रुझान फिर से सरकारी स्कूलों की तरफ बढ़ा है। अब उसी राह पर गुजरात भी नया और अभिनव प्रयोग कर रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

प्लास्टिक...

प्लास्टिक का प्रदूषण बेहद खतरनाक इसलिए है, क्योंकि इसके कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि ये बड़ी आसानी से रक्त के जरिए शरीर में पहुंच सकते हैं। सूक्ष्म प्लास्टिक के बढ़ते खतरे को इसी से समझा जा सकता है कि यह अब पृथ्वी पर हर जगह मौजूद है। दुनिया के सबसे ऊंचे ग्लेशियर हों या सबसे गहरी समुद्री खाइयां, हर जगह इसकी मौजूदगी है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण मानव शरीर के लिए जानलेवा बनते जा रहे हैं। अब पहली बार वैज्ञानिकों को संवहनी ऊतकों में भी माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी का पता चला है, जिससे स्पष्ट होता है कि ये महीन कण रक्त वाहिकाओं के माध्यम से मानव ऊतक में प्रवेश कर सकते हैं। हालांकि इससे पहले प्लास्टिक के महीन कण रक्त तथा इंसानी फेफड़ों के अंदर काफी गहराई में पाए जा चुके हैं। अब पेंट तथा भोजन की डिब्बाबंदी में इस्तेमाल होने वाले माइक्रो प्लास्टिक के कणों का इंसानी शिराओं में मिलना यह स्पष्ट करता है कि वातावरण में बढ़ता इसका जहर हमारी नसों तक में घुल चुका है। कुछ समय पहले अजन्मे शिशुओं के गर्भनाल में माइक्रो प्लास्टिक होने का पता चला था। अब नसों में इसका पाया जाना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के एक अध्ययन में दावा किया गया है कि प्लास्टिक को ज्यादा टिकाऊ बनाने वाले पदार्थ 'थैलेट' के संपर्क में आने से खासकर महिलाओं में मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे पहले किसी भी अध्ययन में यह जांच नहीं की गई थी कि माइक्रो प्लास्टिक रक्त वाहिकाओं में घुसपैठ या फिर उसे पार कर सकता है। उनके मुताबिक नसों में मिले माइक्रो प्लास्टिक के ये कण पांच अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक पालीमर के थे, जो पहले से अलग थे। नसों में इनकी मौजूदगी शिराओं के अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे ये समय बीतने के साथ अवरुद्ध हो सकती हैं। शोधकर्ताओं को नसों में माइक्रो प्लास्टिक के जो कण मिले, उनमें सिंथेटिक पेंट, वार्निश, इनेमल आदि में इस्तेमाल होने वाला अल्काइड रेसिन, खाद्य पैकेजिंग, शिपिंग बाक्स, बैग, कागज, प्लास्टिक, फायल में चिपकने के लिए उपयोग होने वाला घटक पालीविनाइल एसीटेट (पीवीएसी), प्लास्टिक पालीमर को जोड़ने, लचीले पैकेजिंग उत्पाद बनाने के लिए उपयोग होने वाले तार, केबल, पाइप में परत बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले नायलान और ईवीओएच-ईवीए के भी अंश शामिल थे। इससे पहले अमेरिकी केमिकल सोसायटी द्वारा किए गए एक अध्ययन में कुल सैंतालीस नमूनों में मानव अंगों की जांच करने पर वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक संदूषण पाया था। अध्ययन में फेफड़ों, यकृत, प्लीहा तथा गुर्दे से लिए गए नमूनों में माइक्रो प्लास्टिक और नैनो प्लास्टिक मिला था। केमिकल रिसर्च टाक्सिकोलाजी नामक जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से भी पता चला है कि माइक्रो प्लास्टिक शरीर की कोशिकीय कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक प्लास्टिक के ये महीन कण जब सांस या किसी अन्य तरीके से शरीर में पहुंच जाते हैं तो वे कुछ ही दिनों में फेफड़ों की कोशिकाओं, चयापचय और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। उसके आकार में भी बदलाव कर सकते हैं। अध्ययन से यह भी पता चला कि टूथपेस्ट, क्रीम से लेकर हमारे भोजन, हवा और पानी तक में मौजूद ये माइक्रो प्लास्टिक बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक प्रतिरोध को तीस गुना तक बढ़ा सकते है।

ऑल इंडिया भैरव दरबार द्वारा माधुरी वैष्णव व राजू शर्मा का सम्मान

बेंगलूरु. शाबाश इंडिया

राजस्थानी भजन गायिका माधुरी वैष्णव व राजू शर्मा के बेंगलूरु आगमन पर सोमवार देर शाम ऑल इंडिया भैरव दरबार के पदाधिकारियों ने स्वागत अभिनन्दन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी, राष्ट्रिय प्रवक्ता महावीर जैन व अखिल भारतीय ओसवाल परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक नागौरी ने शॉल,माला और भैरव जी की प्रतिमा दी ताकि भैरुजी के नाम का डंका चारो दिशा में गुंजयमान अपनी वाणी से करते रहे। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष के माताजी की स्मृति में माताजी का सुंदर सा भजन जो हर दिन उनकी माताजी सुनती थी उसे भी अपनी वाणी से सुनाया।

AQUAREGIA" में जयपुर की रिषा जैन ने "इंग्लिश" "Creative राइटिंग" में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया

जयपुर। महाराजा कॉलेज राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा आयोजित "AQUAREGIA" में जयपुर की रिषा जैन ने "इंग्लिश" "Creative राइटिंग" में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। रिषा के पिता राजेन्द्र बैद ने बताया कि आज सवेरे रिषा का एक्ससीडेंट हो गया था जिसके बाद भी रिषा ने हौंसला बनाए रखा और यह मुकाम हासिल किया।

जयकारों के साथ रवाना हुई अष्टम डाक पदयात्रा

कोटखावदा से भक्त चले खाटू नरेश के द्वार...

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। श्री श्याम परिवार सेवा समिति कोटखावदा के तत्वावधान में खाटूधाम में चल रहे श्याम प्रभु के फाल्गुन मेले में फाल्गुन शुक्ल नवमी 28 फरवरी मंगलवार को जयकारों के साथ अष्टम डाक पदयात्रा खाटूधाम के लिए रवाना हुई समिति अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने बताया कि प्रातः कालीन बेला में औघड़ बालाजी मंदिर में बाबा श्याम के निशान की मंत्रों उच्चारण के साथ पूजा अर्चना हुई एवं आरती कर गाजे -बाजे के साथ औघड़ बालाजी मंदिर से शोभायात्रा रवाना हुई जो नरसिंह चौक, बस स्टैंड, सब्जी मंडी, छोटा- बास व मुख्य मार्गों से होती हुई नंद बगीची पहुंची मुख्य मार्गों में ग्रामवासियों ने फूल बरसा व इत्र बरसा की यात्री व ग्रामवासी नाचते झुमते यात्रा को रवाना किया।

पुण्यतिथि

श्रीमती बीना देवी जैन (कोलकत्ता)

की पुण्य तिथि (28 फरवरी) पर

हार्दिक श्रद्धांजलि

श्रद्धांवत

विनोद रवीना जैन एवं समस्त परिवार जन

रोटरी क्रिकेट लीग सम्पन्न...

महिलाओं में पर्ल्स टीम विजेता व दिवास क्लब उपविजेता रहे

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर एलिट द्वारा आयोजित रोटरी बॉक्स क्रिकेट का आयोजन जयपुर के रीगल स्पोर्ट्स क्लब ने किया। इस लीग में जयपुर के 8 रोटरी क्लब्स रोटरी क्लब जयपुर, रोटरी एलीट, आरएमबी जयपुर, रोटरी नॉर्थ, रोटरी रॉयल, रोटरी विजन, रोटरी कोहिनूर की पुरुष टीमों ने भाग लिया और दो महिला टीमों रोटरी पर्ल्स व दिवास क्लब ने भाग लिया। रोटरी क्लब जयपुर एलीट के अध्यक्ष विकास सोलंकी ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य रोटरी के सदस्यों में आपसी सहयोग और सद्भाव को बढ़ाना है। कार्यक्रम मीडिया प्रभारी रोटे. बसन्त जैन ने बताया कि पुरुष वर्ग में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की टीम ने विजेता ट्रॉफी अपने नाम की और आरएमबी जयपुर रनर-अप रहे। कार्यक्रम सचिव डॉ. रोटे. सुमित तनेजा ने बताया की आरएमबी से नीरज अग्रवाल प्लेयर ऑफ द सीरीज, रोटरी नॉर्थ से राजेश बेस्ट बॉलर और रोटरी विजन से निखिल माथुर बेस्ट बैट्समैन रहे। महिला वर्ग में रोटरी पर्ल्स ने खिताब जीता व रोटरी दिवास रनर

अप रहे। रोटरी पर्ल्स की कैप्टन बिंदिया को विजेता ट्रॉफी व दिवास क्लब की कीर्ति षर्मा को उपविजेता ट्रॉफी दी गई। बिंदिया ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, सुहानी बेस्ट बॉलर, दिया बेस्ट वुमेन और साक्षी बेस्ट फील्डर रही। सभी विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट की खास बात यह रही कि पहली बार क्रिकेट खेलने वाली महिलाओं ने चैके छक्के लगाये व विकेट हासिल किए।

रोटे. बसन्त जैन बैराठी। मो. 8114417253

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए श्री उत्सव शॉपिंग कार्निवल

जयपुर. शाबाश इंडिया

तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर के तत्वावधान में दो दिवसीय श्री उत्सव शॉपिंग कार्निवल का आयोजन मालवीय नगर में हुआ। अध्यक्ष निर्मला सुराना व मंत्री पायल बैद ने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए आयोजित इस कार्निवल में 60 स्टॉल्स लगाई गई,जिनमें साड़ियों, सूट, औरगैनिक साबुन,तेल ,बाजरें से बनी हुई नयीं चीजें,सौंदर्य प्रसाधन हाथ से बनी घर के शुद्ध मसालों के व्यंजन आकर्षण का केन्द्र रहे ।महिला मंडल की ओर से बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता व महिलाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता हुई। इस दौरान इन प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ रहे विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत करनावट, मास्टर शेफ सीजन 4 फेम प्रतिभा कोचर, होम बेकर्स क्लब की फाउंडर सपना शर्मा, अखिल भारतीय महिला मंडल की ट्रस्टी विशिष्ट अतिथि विमला दूगड़ अखिल भारतीय महिला मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरिता डागा, शहर महिला मंडल की संरक्षिका कमला देवी बरडिया, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष हिम्मत डोसी आदि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया महिलाओं के लिए कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अच्छी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार सभी को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।महिला मंडल द्वारा सभी से संकल्प पत्र भी भरवाया गया। इस दौरान हिंसा अहिंसा के पोस्टर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समस्त पधारे अतिथियों ने पूरे महिला मंडल की प्रशंसा की। संचालन उषा बरडिया ने किया।

घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से विधान का हुआ शुभारंभ

8 दिन होगी सिद्धों की आराधना

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर महारानी ,फार्म गायत्री नगर ,जयपुर में घट यात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य पं. प्रदुम्न जी शास्त्री जयपुर के निर्देशन में प्रारंभ हुआ। मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री राजेश बोहरा के अनुसार सर्वप्रथम मूलनायक भगवान आदिनाथ जी के प्रथम अभिषेक- शांति धारा करने का सौभाग्य मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा को प्राप्त हुआ,साथ में सोधर्मे इन्द्र बने उदयभान जैन बड़जात्या थे। तत्पश्चात मूलनायक भगवान आदिनाथ की श्रीफल अर्पित कर विधान की आज्ञा लेकर सोधर्मे इन्द्र उदयभान जैन द्वारा श्री जी को सर पर लेकर तलघर स्थित पंडाल में विराजमान किया एवं मांगलिक क्रियायें प्रारंभ की गई। मन्दिर प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष अरूण शाह ने बताया कि 8 दिवसीय कार्यक्रम में झंडारोहण समाज श्रेष्ठी सुनील - लता सोगानी परिवार द्वारा किया गया। तत्पश्चात बैंड बाजों के साथ जैन मंदिर से विशाल व भव्य घटयात्रा प्रारंभ हुई, घटयात्रा में सौभाग्यशाली महिलाऐ महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं, सोधर्म इंद्राणी अनीता बड़जात्या, कुबेर इंद्राणी संगीता सोगानी, महायज्ञ नायक इंद्राणी अमिता गोधा एवं अन्य इंद्राणी जुलूस में मंगल कलश लेकर आगे चल रही थीं तत्पश्चात मंगल कलश में लाए हुए शुद्ध जल से मंडल ,पांडाल, भूमि एवं पात्रों की शुद्धि की गई। पांडुक शिला पर श्री जी को विराजमान कर सोधर्मे इन्द्र उदयभान जैन, कुबेर इन्द्र मुकेश सोगानी, महायज्ञ नायक अनिल गोधा ने श्री जी के कलश व शांति धारा की। विधान के आरंभ में प्रथम दिन सिद्धों की आराधना करते हुए 8 अर्घ्य समर्पित किए। रात्रि में महाआरती व प्रवचन हुए, प्रतिष्ठाचार्य प्रदुम्न शास्त्री ने अष्टान्हिका पर्व पर प्रकाश डाला, प्रश्न मंच हुए और प्रश्न मंच में चक्रवर्ती बने रिखब मधु पाण्डया द्वारा पारतोषिक भेंट किये। सभी उपस्थित लोगों ने धर्म लाभ उठाया।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अभूतपूर्व संगम, सिद्धप्रभु की भक्ति में श्रद्धालु हो रहे मग्न

फतेहपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा क्षेत्र के बावड़ी गेट स्थित बड़ा मन्दिर में चल रहे ''चौबीस मण्डलीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान'' के दूसरे दिन मंगलवार को विधान में श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । रामवतार सरावगी व सुजीत गोधा ने बताया कि प्रातः मंगलाष्टक के पश्चात जिनेन्द्र प्रभु के अभिषेक व शांतिधारा हुई । शांतिधारा का सौभाग्य चिरंजीलाल सुजीत कुमार नवीन कुमार गोधा परिवार फतेहपुर को प्राप्त हुआ । शांतिधारा के बाद सिद्धचक्र महामंडल विधान की आराधना प्रारंभ हुई। सिद्ध प्रभु की आराधना में सजाए गए मण्डल विधान में पूजन व मांगलिक क्रियाएं शुरू हुए ।सिद्धचक्र विधान के दूसरे दिन मैना सुंदरी के द्वारा की हुई भक्ति के 16 अध्य समर्पित किए गए। प्रतिष्ठाचार्य पंडित प्रदीप शास्त्री मंडावरा एवं सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित निशात शास्त्री के निर्देशन में धार्मिक क्रियाएं हो रही हैं। मांगलिक क्रियाओं में अष्ट महाप्रातिहार्य का सौभाग्य धर्मचंद विजय कुमार बड़जात्या परिवार सूरत को प्राप्त हुआ । धर्म अनुसार प्रातिहार्य तीर्थंकर परमात्मा के महिमाबोधक चिन्ह के रूप में माने जाते हैं। प्रातिहार्य की शाब्दिक संरचना से भी यह तथ्य स्पष्ट होता है- ''प्रतिहारा इव प्रतिहारा सुरपति नियुक्ताः देवास्तेषां कर्माणि कृत्याणि प्रातिहार्याणि।'' आयोजन स्थल में भगवान के समवशरण की भव्य रचना एवं सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंडल सजाया गया है। जिस पर श्रीफल एवं अष्टद्रव्य समर्पित कर भगवान सिद्ध की अनंत गुणों की आराधना की जा रही है । महिला मंडल की सुनीता बड़जात्या व उषा छाबड़ा ने बताया कि सांयकाल महाआरती करने वाले सौभाग्यशाली परिवार की शोभायात्रा निकाली गई । महाआरती का सौभाग्य चिरंजीलाल सज्जन कुमार सरावगी मुम्बई को प्राप्त हुआ । इसके पश्चात 48 दीपकों से भक्तामर का पाठ आयोजित किया गया ।

पद्मावती जैन कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय मे विदाई समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

पद्मावती उच्च माध्यमिक विद्यालय घी वालों के रास्ते मे कक्षा 12 की छात्राओं का विदाई समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद पारस पाटनी, शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया मंत्री सुनील बक्शी, सह मंत्री कमल बाबू जैन, कोषाध्यक्ष महेश काला, शैलेश पांड्या, सुदीप ठोलिया, पीसी छाबड़ा, स्कूल कन्वीनर राजेंद्र बिलाला, स्कूल की कार्यवाहक प्राचार्य अंजू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य 108 श्री इद्रनंदी जी महाराज, गणिनी आर्यिका 105 विमल प्रभा माताजी ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी फागी कस्बे में आचार्य 108 श्री इंद्र नंदी जी महाराज, मुनि क्षमा नंदी जी महाराज स संघ एवं गणिनी आर्यिका 105 विमल प्रभा माताजी, आर्यिका विजय प्रभा माताजी क्षुल्लिका विनीत प्रभा माताजी तथा बाल ब्रह्मचारिणी निधि दीदी स संघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ जैन समाज के प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त दोनों संघों का गांव की सीमा पर समाज ने बैन्ड बाजों के द्वारा भव्य आगवानी कर जयकारों के साथ नगर भ्रमण कराते हुए पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पर पादप्रक्षालन करने के बाद आरती करके संत भवन में ठहराया। गोधा ने अवगत कराया कि कस्बे में जगदीश प्रसाद, कैलाश चंद्र ,हनुमान सहाय , सीताराम, विनोद कुमार कलवाड़ा परिवार की तरफ से चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान में प्रातः नित्य नियम पूजन, अभिषेक एवं शांतिधारा हुई, कार्यक्रम में सिद्धचक्र महामंडल विधान के द्वितीय दिवस पर आज सोलह अर्घ्य मंडल पर समर्पित किए गए , उक्त कार्यक्रम आचार्य 108 श्री इन्द्रनंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनोज कुमार शास्त्री के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणो के द्वारा चल रहा है, कार्यक्रम में आचार्य इन्द्रनंदी जी महाराज ने अपने मंगलमय प्रवचन में श्रावकों को बताया कि सिद्धों के 8 मूल गुण होते हैं, एवं उत्तर गुण अनंत है इन सभी गुणों के ऊपर आचार्य श्री ने अपने प्रवचनों के माध्यम से प्रकाश डालते हुए कहा कि अनंत दर्शन ,अनंत ज्ञान ,अनंत सुख ,अनंत वीर्य, अनंत सम्यकत्व, अनंत अवगाहन, अनंत अब्यावधत्व आदि प्रमुख आठ मूल गुण है। कार्यक्रम में जगदीश प्रसाद, कैलाश चंद, रामस्वरूप मंडावरा, नेमीचंद कागला, कैलाश पंसारी, सोहन लाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, केलास कासलीवाल, चम्पालाल जैन, तथा राजाबाबू गोधा सहित सारा समाज साथ-साथ था।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि

श्रीमती प्रेमदेवी जैन गंगवाल

(धर्मपत्नी स्व. श्री नाथूलाल जी जैन, सिंवार वाले)

का निधन दिनांक 27.02.2023 को हो गया है तीये की बैठक दिनांक 02.03.2023, गुरुवार को नशियां भट्टारकजी (तोतूका भवन) नारायणसिंह सर्किल, जयपुर पर प्रात:9.00 बजे होगी। तत्पश्चात् घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुलः– नवीन- सीमा, सुरेश-मंजु, रमेश- अरुणा, निर्मल-अंजु, प्रमोद- विनीता (पुत्र-पुत्रवधु) गुट्टी सेठी, तोंफा-हरकचन्द छाबडा, कान्ता-भागचन्द बाकलीवाल, शारदा-धनकुमार लुहाडिया, राजकुमार बाकलीवाल (पुत्री-पुत्रीदामाद) मनसुखी-प्रेमचन्द काला, मनभरी/आशा- फूलचन्द बाकलीवाल (ननद-ननदोई) रोहित-श्वेता, शुभम-सोनाली, रोनक-सोनाक्षी, नमन, निधि व ऋषभ (पौत्र-पौत्रवधु व पौत्री) गुड़िया-शिरीष लुहाडिया, नैनसी-साकेत अजमेरा, निशि-अक्षित बज, रुचिका-उज्जवल पहाड़िया (पौत्री-पौत्रीदामाद) कृषा व कृष्टि गंगवाल (पडपौत्री) अनवी लुहाडिया, सानवी व जैसवी अजमेरा, किआना बज (पडदोहिती) प्रकाश चन्द, संतोष कुमार, सुरेश चंद, नरेन्द्र कुमार, राजेश, विशाल, प्रदीप गंगवाल खोरा वाले। पीहर पक्षः महेन्द्रकुमार, डॉ राकेश, पंकज, महावीर कुमार, अनिल, नरेन बक्शी, कैलाशचन्द क्रान्तिकारी, महावीर प्रसाद, निर्मल, रोहिश गोधा मुण्डिया रामसर